जब स्त्रियों को कठिन फैसला करना पड़े तो आत्मा के बारे में किन बातों को जानने की आवश्यकता है। गर्भावस्था के बारे में कठिन फैसले।

बिना योजना के कोई भी स्त्री गर्भवती हो सकती है

इसे खत्म करना है अथवा नहीं एक कठिन फैसला है, ऐसा फैसला जिसके साथ किसी स्त्री को शेष जीवन गुजारना है। जब फैसला करना हो कि गर्भपात कराना है अथवा नहीं, तो आत्मा, पुनर्जन्म तथा कर्म के बारे में जानना महत्त्वपूर्ण है।

आपकी आत्मा की जुड़वाँ कांति तथा आत्मासंगी

आपकी आत्मा आपके जीवन का सार है। इसकी निश्चित योजना है। परन्तु आपकी आत्मा का मां के गर्भ में जन्म नहीं हुआ। यह बहुत पहले, बहुत समय पहले ईश्वर के दिल में पैदा हुयी।

आपकी आत्मा का जन्म कई हजारों साल पहले हुआ, जब ईश्वर ने अपने हृदय से आपको जन्म दिया। और अकेले आप ही को नहीं बनाया। आपको आपकी जुडवाँ कांति के साथ बनाया, एक विशेष आत्मा जिसके साथ आप एक अद्वितीय मिशन में सहभागिता करती है।

कोई अन्य उस कार्य को पूरा नहीं कर सकता जिसके लिए आप दोनों एक साथ नियत किये गए थे। किन्तु जीवन पथ पर कहीं आप अपनी जुड़वाँ कांति से अलग हो गए। तब से कई जीवनोपरांत आपकी आत्मा आपकी जुड़वाँ कांति को तलाश करके ईश्वर के यहाँ वापस जाने की चेष्टा करती आ रही है।

रास्ते में, आपकी आत्मा को कई आत्माएं मिलीं, जिन्हें आत्मसंगी कहा जाता है। आप अपने जीवन में एक से अधिक आत्मासंगियों को पा सकते है – एक विशेष मित्र, प्रेमी, कोई जो आपकी भावनाओं की सहभागिता करता है। लेकिन आपके पास केवल एक जुड़वाँ कांति है।

प्रतिवर्ष 46 मिलियन आत्माएँ जिनको जन्म लेना था, गर्भपात उन्हें जीवन के अवसर से वंचित कर देता है। उन्हें उनकी जुडवाँ कांति से अलग कर दिया गया। उनका मिशन अपूर्ण है। उनकी दैवी योजना रूकी हुई है। उनकी जुड़वाँ कांति की योजना भी कठिनाई में पड़ गई है

आपकी आत्मा का पुनर्जन्म तथा कर्म

आपकी आत्मा को अमर होने का अवसर प्राप्त है। किन्तु यह रातों रात अथवा एक जीवन में ही नहीं हो सकता है।

भौतिक मृत्यु के बाद, आपकी आत्मा दूसरा शरीर धारण करती है। पुनर्जन्म आपकी आत्मा को कई विभिन्न जीवन अनुभवों के माध्यम से प्रेम पाठों को सीखने के द्वारा विकसित होने का अवसर देती है।

पुनर्जन्म नई धारणा नहीं है। हजारों वर्षों से यह हिन्दु एवं बौद्ध परम्परा का एक अंग है। वास्तव में, पुनर्जन्म प्रारम्भिक ईसाई गिरजाघरों की मान्यताओं में से एक था।

कर्म एक दूसरी समय–सम्मानित धारणा है। यह कारण और परिणाम सिद्धांत के नाम से भी जाना जाता है, कर्म का सिद्धांत ब्रहाण्ड का आधारभूत सिद्धांत है। धरती पर जीवन रूपी स्कूल की कक्षा से उत्तीर्ण होने और ईश्वर के पास लौटने के लिए, आप को अपने विशेष मिशन को पूरा करना तथा व्यक्तिगत कर्म को संतुलित करना है।

कर्म का सिद्धांत कहता है कि हमारे सभी कार्य इस जीवन में अथवा विगत के जीवन में अवश्यभावी परिणाम रखते हैं। एक बूमरैन्ग (एक अर्ध गोलाकार शस्त्र जो चलाने वाले के पास पुनः लौट आता है) की तरह जो कुछ हम देते हैं वह हमारे पास वापस आता है – चाहे अच्छाई के रूप में अथवा बुराई के रूप में। सकारात्मक कर्म खुशी और अच्छे भाग्य के रूप में और नकारात्मक कर्म शोक तथा विपत्तियों के रूप में पुनः लौट सकती है।

आपकी आत्मा के घर वापसी का एक ही रास्ता है कि आप अपने कर्म का लेखा जोखा संतुलित करें। आपको अपने जीवन में उन लोगों के कर्जे चुकाने की आवश्यकता है जिनके के साथ आपने बुरा किया था और, इसे करने के लिए, आपको सही समय तथा सही स्थान पर जिन्दा रहने की आवश्यकता है ताकि आप उन लोगों से मिल सकें जिनसे आपका कर्म जुड़ा हुआ है। आप अपने जीवन के ऋणों को चुकता करने लायक तभी होंगें यदि आपके पास भौतिक शरीर होगा।

प्रत्येक आत्मा अनुपम तथा अद्वितीय है

जब किसी गर्भ को समाप्त किया जाता है, तो आत्मा सही समय तथा सही स्थान पर धरती में वापस आने के अवसर से वंचित कर दी जाती है। यह विनाशकारी है, न केवल आत्मा के लिए, बल्कि परिवारों, संप्रदायों – इस ग्रह के लिए भी।

वह परिवार तथा आत्मा समूह जिससे आत्मा जुड़ी है अब अपूर्ण है। जीवन की कड़ियां गुम हो गई है। आने वाली पीढ़ीयों के मिशनों को निष्फल कर दिया गया है और उनकी आत्माओं को स्वयं को व्यक्त करने के अधिकार से वंचित कर दिया गया है।

इस धरती पर लाखों आत्माएँ गुम हो गई हैं। यदि वे यहाँ होती, तो वे सम्भवतः एड्स अथवा कैंसर का निदान खोज चुकी होती, बेघरों की सहायता करती, या रेडियोधर्मी अपशिष्ट को सुरक्षात्मक तरीके से ठिकाने लगाती।

कर्म का सिद्धांत अवैयक्तिक है। यदि हम किसी आत्मा को जीवन के अवसर से वंचित कर देते हैं तो एक दिन हम अपने को वैसी ही स्थिति में पा सकते हैः दूसरी तरफ प्रतीक्षा करते हुए दूसरे दौर के लिए वापस आने को तैयार, परन्तु भौतिक शरीर में जन्म लेने से वंचित कर दिये जाते हैं – शायद सैकड़ों वर्षों अथवा उससे भी लम्बे समय तक के लिए।

जिम्मेदारी पूर्ण विकल्प मौजूद है

जब आप गर्भवती होती हैं – उद्देश्य से या संयोग से – आप सामान्यतया ऐसी आत्मा को अपनी ओर आकृष्ट करती हैं जिससे आपके कर्म बंधन है। चाहे जो भी ब्रहमाण्ड संबंधी कारण हो, विशिष्ट आत्मायें आपके लिए निर्धारित की गई है। कर्म के अनुसार उन आत्माओं को भौतिक शरीर देना आप का कर्त्तव्य है। (केवल एक ही अपवाद है कि यदि गर्भ आपके जीवन के लिए संकट बन गया हो।)

किन्तु कर्म के अनुसार आप इस शिशु को बड़ा करने की जिम्मेदारी आप पर नहीं भी हो सकती है। दत्तक–गृहण एक जिम्मेदारी पूर्ण विकल्प है।

प्रायः जब गर्भ बिना योजना के होता है, तो स्त्री शिशु की देख भाल के लायक नहीं भी हो सकती है। शायद आप अकेले रहती हों, या उसके पिता से आपके संबंध अच्छे नहीं है, या आप अभी स्कूल में ही हैं और अभी आप बच्चा नहीं चाहती हैं, या आपका बच्चा शारीरिक तथा मानसिक रूप से असामान्य है और आप उसकी स्थिति से निपट नहीं सकती हैं।

वास्तव में आप केवल उस आत्मा को भौतिक शरीर देने और उसको दत्तक लेने वाले माता पिता को ढूँढ़ने तक जिम्मेदार हो सकती हैं। जिन लोगों को उस

बच्चे को बड़ा करना है, उनका आत्मा से अलग कर्म का संबंध है। उनके कर्म के अनुसार संभवतः उनके द्वारा बच्चे का पालन पोषण किया जाता है और उसको व्यस्कता तक लाना है। इसीलिए अनियोजित गर्भधारण की स्थिति में, दत्तक ग्रहण एक विचारणीय महत्त्वपूर्ण विकल्प है।

एकबार पुनर्जन्म और कर्म के सिद्धांत को समझ लेने पर, आपको अपने बच्चे को दत्तक–ग्रहण के लिए दिए जाने के बारे में दोषी महसूस नहीं करना चाहिए। वास्तव में, आपको गर्व महसूस करना चाहिए कि आपको एक जिम्मेदारी को पूरा करना था और आपने उसे अच्छी तरह से पूरा किया।

यदि मैंने गर्भपात करा लिया है तो ?

यदि आप गर्भ को समाप्त करने का निर्णय पहले ही ले चुके हैं, तो निश्चित रूप से अपने ऊपर ध्यान दें, अपनी स्वयं की आत्मा का पोषण करें और स्वयं को स्वस्थ होने का अवसर दें। गर्भपात का अनुभव आपकी आत्मा पर एक बोझ हो सकता है जिसे परिभाषित करना कठिन है।

जब आपको आध्यात्मिक सच्चाईयों का ज्ञान होगा, आप अपने पूर्व के निर्णयों के लिए स्वयं को दोषी ठहरा सकते हैं। आपको स्वयं को और इसमें शामिल अन्य लोगों को माफ करने में कठिनाई महसूस होगी।

परंतु क्या आप अपने किसी मित्र, जिसने इसी प्रकार के निर्णय लिए हों, की भर्त्सना करेंगे, नहीं करेंगे। अतः स्वयं की भर्त्सना भी मत कीजिए। आप तभी स्वस्थ होते हैं जब आप ईश्वर के साथ अपने स्वयं के उच्चतर स्वः और अपनी आत्मा को साथ शांतिपूर्ण व्यवहार स्थापित कर लेते हैं। स्वस्थ होने की प्रक्रिया के एक भाग के रूप में, आप बच्चों के साथ भी काम करना, उनकी सहायता करना और उन्हें प्यार देना चाहेंगे।

अपनी आत्मा के प्रति सदयता और करूणा का भाव पैदा करने के लिए आपको पेशेवर सहायता लेनी पड़ सकती है। जबकि गर्भपात संबंधी प्रत्येक अनुभव अपने आप में अनोखा है, प्रायः उसके साथ उत्पन्न दर्द और पीड़ा उन लोगों के लिए जो रोगमुक्ति के व्यवसायों में हैं, नई बात नहीं है।

यदि मैं गर्भवती हूँ तो ?

पूरे विश्व में जीवन का समर्थन करने वाले संगठन और अभिकरण हैं जिनमें आपकी सहायता करने के लिए लोग उपलब्ध हैं। आप अपनी टेलीफोन डायरेक्टरी के पीछे "Abortion Alternatives", "Shelters for Pregnant Women," "Pregnancy Counseling Centers," अथवा "Crisis Pregnancy Centers" शीर्षकों के अंतर्गत देखें।

काफी महिलाओं ने इस परिस्थिति का सामना किया है और अपने गर्भ की अवधि को पूरा किया है, और फिर शिशुओं को दत्तक–ग्रहण के लिए दे दिया है। दत्तक–ग्रहण अभिकरण प्रायः आपको दत्तक देने हेतु शर्तों का निर्धारण करने देंगे और यदि आप चाहते हैं तो आपके शिशु के लिए दत्तक लेने वाले माता–पिता काभी चयन करेंगे। आप अपने लिए और अपने शिशु के लिए जो चाहती है उसके अनुसार चयन कर सकती हैं।

इस ब्रोशर में वर्णित विचार कई खोज लेखों पर आधारित हैं। सबसे अहम स्रोत एलीज़ाबेथ क्लेयर प्रोफेट की शिक्षाएं हैं जो "इनर पर्सपेक्टिव्ज" और "रीइनकार्नेशन" : "द मिसिंग लिंक इन क्रिश्चनिटी"।

पढ़ें तथा स्वयं के लिये उत्तर ढूँढ़ें

Nurturing Your Baby's Soul, Nancy Hearn तथा Dr. Joye Bennett द्वारा संकलित तथा संपादित, Summit University Press, 1998.

Reincarnation for the Christian, Christian by Quincy Howe, Jr. Theosophical Publishing House, 1987 द्वारा प्रकाशित।

Soul Mates and Twin Flames, Flames by Elizabeth Clare Prophet. Summit University Press, 1999 द्वारा प्रकाशित।

Wanting to be Born, Dr. Neroli Duffy द्वारा संकलित। Publicado pela Summit University Press, 2002.

Whatever Happened to the Human Race? C. Everett Koop, M.D., and Francis A. Schaeffer द्वारा। Crossway Books, 1983 द्वारा प्रकाशित।

इस ब्रोशर की प्रतियां प्राप्त करने के लिए info@soulchoice.org
http://www.teenage-pregnancy.org.
http://www.reincarnation-abortion.org.
1-800-THE -SOUL

Copyright © 2001 Soul Choice International. All rights reserved.